%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 662

NO. 347

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 1130; A. R. No. 356 of 1899;

I. M. P. Vol. III, P. 1685, No. 184 )

Ś. 1296

(१।) स्वस्ति श्री [।।] शाकाव्दे तर्कर[ं]ध्रारुणपरिगणिते श्रावणे कृष्णपक्षे ध-

(२।) मा(र्मा)हे जीववारे हरिशिखरिपते[ः] सन्निधौ धु(धू)पकाले [।] पुण्यातयै चाम-

(३।) रस्य प्रतिदिनमददाद्धारनायापि तोद्ये पात्र श्रीदा(ध)म्म(र्म्म) दास प्रभु-

(४।) वरतनयो वित्वनाथो वदान्य[ः] [।।] शकवरुषंवुलु १२९६ गुने-

(५।) ंटि श्रावण कृष्ण दसमियु गुरुवारमुनांडु<2> कलिगपरीक्ष-

(६।) पात्र श्रीद(ध)र्म्मदासजीय्यन अदि(धि)कारम दु वीरि कोडुकुलु

[प]ंडुले-

(७।) का कलिगमाजि विस्वनाद(थ)जीय्यन तनकु नभिष्टात्थ(र्त्थ)

सिदि(द्धि)ग श्री-

(८।) नरसिंहनाथुनि सन्निधिनि उभय दु(धू)पलनु चामरपट्टनु श्रीभ-

(९।) ंडारमदु पद्मनिधि गंडमाडलु १० पेट्टि रेंडु निवेद । (धा)लू

(१०।) वृतिगां वडसि सानुलंदु नरसिहमुखरि मनुमर्रालु वा-

<1. In the fiftieth niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 27th July, 1374 A. D. Thursday, according to the Amānta system.>

%%p. 663

(११।) ल सरस्वती पुरसानि संप्रदायमंदु समुद्रतंत्तासानि

(१२।) मन्मार्रालु कुप्पासानि किन्नि आचंद्रार्कस्त(स्था)हिगंवेट्टेनु वी-

(१३।) रिद्दरुन्नु ई प्रसा[द]मु नेलपडि अप्पलु विडियलु एंडा-

(१४।) दि जीतमु एनिमिदि सि(चि)न्नालु ८ परु कलु ।। [ई] तपट्टुनु

(१५।) भुजिचि कोलुवंगलारु ।। ई धर्मु वु श्रीवैष्णव रक्ष ।।

(१६।) शत्रुणापि कृतो धर्म्म पालनीयो मा(म)[नीषि] भि[ः] [श]त्रुर-

(रे)व हि शत्रुस्य (स्या)-

(१७।) ध(द्ध)र्म[ः] स(श)त्रु न(र्न)कस्यचित् । श्री श्री श्री [।] वीरि

दत्तमु चामर ओ १ [।]